रतनगढ़ : 22 जनवरी 2011

अहिंसा व आध्यात्म के विषय को ऋषि व साधुओं ने प्राचीन समय प्रत्यक्ष दृष्टि दी गहन–चिंतन किया है। ऐसे विषय को हम भी समझें, मनन करें व आत्मसात करें। उक्त जनोपयोगी धर्मोपदेश आचार्य महाश्रमण नें गोलछा ज्ञान मंदिर में मंगल भावना समारोह के दूसरे चरण में दिया।

उन्होंने बताया कि अहिंसा व आध्यात्म पर मनन करना अच्छा है पर सबसे अच्छा है उसे आत्मसात करना। व्यक्ति के जीवन में अहिंसा जीवन शैली जुड़ जाए तो उसे अच्छा फल मिलता है। हमारी जीवन शैली आध्यात्मिक हो व अहिंसात्मक हो। दूसरों को उपदेश देना तो सरल है पर प्रयास यह रहना चाहिए कि वह उपदेश पहले खुद पर लागू हो। तभी वह उपदेश दूसरों को प्रभावित करता है।

आचार्य महाश्रमण ने गुरूवर तुलसी को याद करते हुए कहा कि उन्होंने मानवता, जैन साहित्य, नैतिकता व अणुव्रत के संदेशों को पूरे भारत में जन–जन तक पहुंचाया। ऐसे महापुरूष कभी–कभी ही दुनिया में आते है। भगवान धर्म की रक्षा के लिए अवतार लेते है। दुनिया में ऐसे महापुरूष भी होते है जो धर्म उत्थान के लिए आते हैं उसी कड़ी में आचार्य तुलसी व आचार्य महाप्रज्ञ थे।

उन्होंने कहा कि रतनगढ़ की धरा मेरे लिए इतिहास में अंकित हो गयी है, यहां मुझे मेरे दीक्षा प्रदाता मुनि सुमेरमल जी के दर्शन हुए है। मंगलभावना पर बोलते हुए आचार्य महाश्रमण ने कहा कि वर्धमान तेरापंथ का था। नगर में मैत्री व परस्पर सहयोग बहुत अच्छा रहा। इससे अहिंसा को बल मिलता है और नगर का वातावरण भी अच्छा बना रहता है। प्रतिदिन एक घंटे ज्ञान की बात सुनना अच्छा होता है, इससे ज्ञान पुष्ट होता है। धार्मिक चेतना बनी रह व अच्छे संस्कारों का निर्माण हो ऐसे कार्य करें।

इससक पूर्व साध्वी राजीमती जी, बाबूलाल गोलछा, वैद्य बालकृष्ण गोस्वामी, रूपचन्द सेठिया, महिला मंडल व कन्या मंडल, मनु आंचलिया, प्रतिभा दूगड़, नेहा गोलछा, निर्मला बैद, पूर्वपालिकाध्यक्ष संतोष बाबू इंदौरिया, शिक्षाविद चम्पालाल उपाध्याय, समिति के महामंत्री डालमचन्द बैद ने मंगलभावना व चातुर्मास की अर्ज की। समिति के सक्रिय सदस्यों का डालमचन्द बैद ने आभार प्रकट किया। समिति द्वारा पूर्वपालिकाध्यक्ष संतोष बाबू इंदौरिया व होम्योपैथिक डॉ. ओमप्रकाश शर्मा का सम्मान किया गया। वर्धमान महोत्सव में पधारे साधु–साध्वियों की निशुल्क दवा–सेवा बैद परिवार ने की। ललित आंचलिया ने आचार्य महाश्रमण से आचार्य महाप्रज्ञ के जीवन पर बनी एक सी.डी का विमोचन भी करवाया। कार्यक्रम का संचालन भंवरलाल सिंघी ने किया।
आचार्य महाश्रमण दिनांक 23 जनवरी 2011 को प्रातः 8.30 बजे राजलदेसर के लिए विहार करेंगें।

रणजीत दूगड़
संयोजक मीडिया समिति
+91 9831017467
rs_dugar@yahoo.com

मंगल भावना समारोह
आचार्य श्री महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति,

मंगल भावना समारोह
आचार्य श्री महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति, रतनगढ़

मंगल भावना समारोह
आचार्य श्री महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति, रतनग